



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—कण्ड 1  
PART I—Section 1

प्रार्थक्यार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

Ma  
24/6/77

सं. 257] नई दिल्ली, गुरुवारीवार, दिसम्बर 1, 1988/अग्रहायण 10, 1910  
No. 257] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1988/AGRAHAYANA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(निर्वात व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 39 ई. टी. सी. (पी. एन)/88

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1988

विषय :- बाजरा और क्वार का निर्वात ।

का. सं. 40(43)/88/ई-II :- आयात निर्यात नीति 1988-89 (खण्ड 2) के प्राव 3 के परिच्छेद 4 की  
सूची-1 की क्रम सं. 6(vii) और (viii) की ओर ध्यान दिया जाता है, जिसके अनुसार उपर्युक्त नीति पुस्तक  
के प्राव-5 के पैराग्राफ 4-8 में दी गई प्रक्रिया अनुसार बाजरा और क्वार का निर्वात सीमित सीमा में अनुमति  
है ।

2. उक्त नीति पुस्तक के भाग-1 के पैरा 12(3) की शर्तानुसार बाजरा और जवार के निर्यात के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया उपयोग में लाने का निर्णय लिया गया है।

3. बाजरा और जवार की निर्यात की सीलिंग को कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली (ए.पी.ई.डी.ए.) के नियन्त्रण पर रखा गया है।

4. निर्यात की अनुमति पहले आओ पहले पाओ के आधार पर उन परिवारों पर होगी जो 100% अपरिचरणीय साख-पत्रों द्वारा समर्थित हों। निर्यातक, कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण को आवेदन शेजते समय एक बैंक गारंटी भी प्रस्तुत करेंगे जो कि अपरिचरणीय साख-पत्र के अनुसार जहाज पदना निम्नलिखित मूल्य के एक प्रतिशत के बराबर होगी, यदि 31 मार्च, 1989 तक निर्यात नहीं किया जाएगा तो बैंक गारंटी जल्द कर ली जाएगी। ऐसी जल्द की गई राशि को सरकारी खजाने में जमा कर दिया जाएगा।

5. उपर्युक्त शर्तों को पूर्ण करने पर कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण निर्यातकों को सीलिंग स्लिप जारी करेगा जिनमें पूरा विवरण जैसा निर्यातक का नाम, आदेश और अपरिचरणीय साख-पत्र की सं. एवं तारीख अनुमेल मात्रा, जहाज पदना निम्नलिखित मूल्य और गन्तव्य स्थान इत्यादि दर्शाया जाएगा। उसके बाद निर्यातक सम्बन्धित पत्तन लाइसेंस प्राधिकारी के पास जाएगा और उसे सीलिंग स्लिप प्रस्तुत करेगा। सीलिंग स्लिप के प्रस्तुतीकरण पर पत्तन लाइसेंस प्राधिकारी उन्हें सील ही निर्यात लाइसेंस जारी करेंगे और यह सीलिंग स्लिप के प्रस्तुतीकरण के 48 घण्टे के भीतर प्रत्येक परिस्थिति में जारी कर दिया जाएगा। निर्यात लाइसेंस 31 मार्च, 1989 तक विधिमाम्य रहेगा। कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण सीलिंग समाप्त होते ही सीलिंग स्लिप जारी करना बन्द कर देगा। कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण 31 मार्च, 1989 के उपरान्त कोई सीलिंग स्लिप जारी नहीं करेगा। चाहे सीमा मात्रा अप्रयुक्त भी रहा गई हो।

6. पत्तन लाइसेंस प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए निर्यात लाइसेंस के आधार पर निर्यात सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा अनुमेल किया जाएगा।

के.वी. इरनीराय,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## MINISTRY OF COMMERCE (EXPORT TRADE CONTROL)

PUBLIC NOTICE NO. 39-ETC (PN) 88

New Delhi, the 1st December, 1988.

Subject :—Export of Bajra and Jowar

F. No. 40 (43) [88] E.II :—Attention is invited to Serial Number 6(vii) and (viii) of List I of Appendix 4 of Section III of Import and Export Policy 1988-91 (Vol. II), in terms of which export of Bajra and Jowar is allowed against limited ceiling as per the procedure laid down at paragraphs 4-6 of Section V of said policy book.

2. It has been decided to devise the following special procedure in terms of para 12(3) of Section I of said policy book in respect of export of Bajra and Jowar.

3. The ceiling for export of Bajra and Jowar will be placed at the disposal of Agricultural & Processed Food Products Export Development Authority, New Delhi (APEDA)

4. Export will be allowed on the basis of first-come, first-served basis against the contracts backed by 100 per cent Irrevocable Letter of Credit. Exporters while applying to APEDA would also submit a Bank Guarantee equivalent to one percent of f.o.b. value as per Irrevocable Letter of Credit which would be forfeited in case the exports do not take place by 31st March, 1989. The amount so forfeited shall be credited to the Government Account.

5. On fulfilment of the above conditions, the APEDA would issue ceiling slips to the exporters indicating full particulars such as name of the exporter, No. and date of Order and Irrevocable Letter of Credit, quantity allowed, f.o.b. value and the destination etc. The exporters then shall approach the concerned port licensing authority and submit the ceiling slip. On presentation of ceiling slip, the port licensing authorities shall issue export licence expeditiously and in any case not beyond 48 hours after the presentation of ceiling slip. Export licence will have a validity period upto 31st March, 1989. APEDA would stop issuing ceiling slip as and when the ceiling is exhausted. APEDA will not issue any ceiling slip after 31st March, 1989 even if a quantity of ceiling is left unutilized.

6. Export will be allowed by the Customs authorities on the basis of export licence issued by the port licensing authority.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller of Import & Exports.

